सरबन देवी

नाम व पता पूछा गांव व जहां रहते है
नाम - सरबन देवी ग्राम - सुंदरपुरा जिला जयपुर
पति का नाम : प्रताप राजस्थान
जाति - धानुका बच्चे पूछा कितने हैं 3 बच्चे 1 लड़का 2 लड़की
उम्र ५० साल बच्चो की शादी हो गई कहां रहती हो विजवासन
पति क्या करते है सरकारी रिटायर्ड है परचून की दुकान घर पर है पूछा
क्या हुआ बताया 20 ता० को 9 से 6 तक ड्यूटी की शाम को
गौरव साहब ने धमकी दी कोई ओवर टाईम नही दूंगा रुकना पड़ेगा
हमारी मजबूरी थी हम चले गये। 21 ता० के ड्यूटी पर आये पूरे
दिन ड्यूटी की पौने छः बजे गौरव साब ऊपर आये हम चार
आदमी का नाम लिया बीना, सरबन, कुसुमलता, बीना रानी
नीचे लाये चारो लेडीज को अपनी केबिन में ले गये
हमारे को बोला लेटर दिया कहा साइन करो हमने
पूछा किस चीज का नोटिस दे रहे हो बोला मैं कुछ नही जानता
साइन करो हमने बोला हम बिना जाने साइन नही करेंगे। फिर
हमारे साथ हाथापाई करने लगा एक हमारे साथ बीना देवी है
उसकी छाती पर हाथ मारा ब्लाउज भी फट गया बदतमीजी करने
लगा बोला कोर्ट में जाओ मेरे पास बहुत पैसा है मैंने कानून को
खरीद लिया है कानून मेरा कुछ नही कर सकता बीना देवी को छुड़ाने पर
हमारे भी हाथ मारा हम चीखे चिल्लाये तभी फिर सारी कम्पनी
इकट्ठी हो गई हमारे लोगों ने पूछा क्या बात हो गई हमने अपनी
सारी बात बताई बदतमीजी की सस्पेन्ड लेटर दे रहा था। हमें दो साल
से भी बहुत परेशान कर रहा है हमे बस न्याय चाहिए
तभी से हम भूखे प्यासे बैठे हैं।

बीना रानी   उम्र पूछा - सन् 62 बताया

स्थाई पहले गांव का पता पूछा । जाति पूछा — हरिजन

गांव कैमराला जिला - गाजियाबाद U.P.

अस्थाई पता

बिजवासन अम्बेडकर कालोनी - मo नo C-12 . नई दिल्ली

पति का नाम - श्री बालकिशन

20/3/07 को मुझे जबरदस्ती ओवर टाइम पर रोका जा रहा था जब हमे ओवर टाईम मिलता ही नहीं है हमें आठ घंटे के पैसे मिलते हैं हमने 8 घन्टे ड्यूटी करी फिर हम अपने घर चले गये 21/3/07 को सुबह जब हम 9 बजे ड्यूटी पर आये हमने अपनी ड्यूटी करी फिर शाम 5.45 पर मि० गौरव आये II फ्लोर पर हम काम कर रहे थे हमारे पास आकर बोले जो चार आदमी कल नही रुके थे वो मेरे साथ चले जिसके मेरे करीब और भी कर्मचारी थे सभी ने सुना मेरे बिल्कुल करीब थे आशा मक्खन किरन सरवन इन सभी ने सुना फिर उसने नाम बोले बीनारानी, बीनादेवी, कुसुमलता सरवन चलो मेरे साथ । हमें अपने केबिन मे ले गया हमसे बोला इसपर साइन करो हमने पूछा ये क्या है तो कहा यह सस्पेन्स लेटर है। हमने इन्कार किया हम नही लेगे फिर उसने हमे धमकी दी क्यों नही करोगे फिर मेरे करीब जो चार लेडीज थे उसने हम पर हाथापाई की बीनादेवी की छाती पर हाथ मारा और ब्लाउज फट गया फिर हम पर हाथापाई करी फिर हम चीखे चिल्लाये हमारी आवाज सुन कर सभी कर्मचारी भाई आ गये फिर सबने पूछा क्या हो रहा है। फिर उसने बोला दो दिन बाद बताऊंगा। हमने कहा जो तुमने हमारे साथ बदतमीजी की है उसका हमे जबाब चाहिये इतने हम घर नही जायेगे यही धरने पर बैठे रहेंगे । उस दिन से हम धरने पर बैठे है।

बीनादेवी

बीना देवी पति - स्व राजेन्द्र झा

नाम व गांव पूछा - गांव बन्सारा थाना रैयाम

जिला दरभंगा

पहले पहली वाली बात पूछा तो पुंगी वाली बताई और पूछा कि उम्र क्या है तो बताया - ५० या ५५ वर्ष बच्चे पूछा बताया २० साल

~~तारीख को~~ २० तारीख को ओवर टाइम मे रोक रहे थे हमे किसी ने नही बोला हमने बोला कि यहां पर ओवर टाइम की लिस्ट बनती है न तो हमारा नाम था और न बोला हम चले गये। फिर दूसरे दिन २१ ता० को ड्यूटी की शाम पौने छः बजे गौरव साहब ऊपर आये हम चारो को अपनी केबिन मे बुला कर ले गये फिर हमे एक नोटिस पर साइन करने को कहा हमने बोला किस का है बोला सस्पेन्ड लेटर लो हमने मना किया तो हमारी छाती पर हाथ मारा ब्लाउज फट गया हुक टूट गया तीनो लेडिज छुड़ाने लगी फिर उनको भी धक्का मारा हम चीख मारे फिर सारे ~~[illegible]~~ इकट्ठे हो गये फिर हम बैठ गये हमे बस न्याय चाहिए

कुसुमलता का ब्यान

पहले पता पूछा — कुसुमलता पति का नाम चन्द्रभान
गाम सिसैया जिला बदायू
थाना बिनावर
से०21 प्लाटन 127

20 ता० के ड्यूटी पर थे छ: बजे गौरव साहब आये धमकाया बोला कोई छुट्टी नहीं है जब तक माल नहीं जायेगा कोई ओवर टाइम नहीं थी मेरे घर प्रोबलम थी मैं चली गई हम नहीं रुके। 21 ता० को 7 बजे से पौने छ: बजे तक ड्यूटी की फिर गौरव साहब अपर डिपार्ट मे गये चारो को नाम बोला चारो कल चली गई। चारो लेडीज आफिस में बुला कर ले गया बोला तुम अपना नोटिस पकड़ो हमने नोटिस लेने से मना कर दिया पूछा हमने कि हमारी गलती क्या है तो यह हाथापाई करने लगे जब बीना [illegible] के साथ हाथापाई की तो हमने गेट खींच कर चीखे पास में नरायन की ~~पैकिंग~~ [illegible] डिपार्ट था नरायन को आवाज दी तो नरायन तुरन्त भागा और सारे वर्कर आ गये और बीना रोने लगी कि मेरा ब्लाउज फाड़ दिया। पहले भी बीना के साथ बदतमीजी की है हमें तो बस न्याय चाहिए। तभी से हम धरने पर बैठे है।